B.A. - 1
Paper - II

Pol.sc
Comparative Politics

प्रश्न :— ब्रिटिश प्रधानमंत्री और अमेरिकी राष्ट्रपति की शक्तियों की तुलनात्मक समीक्षा करें तथा उनके बीच अन्तर स्पष्ट करें।

प्रो० लास्की का यह कथन कि ब्रिटिश प्रधानमंत्री अमेरिकी राष्ट्रपति से कम तथा अधिक शक्तियों का प्रयोग करता है। कितना सही है इसका पता तभी लगाया जा सकता है जब हम ब्रिटिश प्रधानमंत्री और अमेरिकी राष्ट्रपति के शक्तियों का आपस में तुलना करें।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री और अमेरिकी राष्ट्रपति में कुछ समानताएँ और कुछ असमानताएँ हैं, जो निम्न प्रकार है।

1. दोनो अपने-अपने देशों के शासन अध्यक्ष है।
2. दोनो अपने-अपने दलों के प्रमुख नेता है।
3. दोनो अपने-अपने देश मे कानून निर्माण और वित्तीय मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते है।
4. दोनो अपने-अपने मंत्रिमंडलों के अध्यक्ष होते है और मंत्रिमंडल की बैठकों में अध्यक्षता करते हैं।
5. दोनो अपने-अपने देश के विदेश नीति के मुख्य सूत्रधार होते है।
6. दोनो ही जनता द्वारा निर्वाचित व्यक्ति होते है।
7. दोनो अपने-अपने देश में सरकार के प्रमुख प्रवक्ता होते है।

उपरोक्त समानताए से यह स्पष्ट होता है कि ब्रिटिश प्रधानमंत्री और अमेरिकी राष्ट्रपति में कई समानताएं है, लेकिन दोनो मे कुछ असमानताएं भी है। दोनो देशो के शासन पद्धति में भिन्नताएँ है। ब्रिटेन मे संसदीय शासन प्रणाली है वहीं अमेरिका में अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली है।

अमेरिकन राष्ट्रपति कुछ मामलों में ब्रिटिश प्रधानमंत्री से अधिक शक्तिशाली है तो कुछ मामलों में वह ब्रिटिश प्रधानमंत्री से कमजोर स्थिति में है।

अमेरिकी राष्ट्रपति अधिक शक्तिशाली :— निम्न मामलों में अमेरिका का राष्ट्रपति ब्रिटिश प्रधानमंत्री से अधिक शक्तिशाली है।

1. अमेरिका का राष्ट्रपति राज्य व सरकार दोनों का अध्यक्ष है जबकि ब्रिटिश प्रधानमंत्री केवल सरकार का अध्यक्ष है। — दोनों में मुख्य अन्तर यह है कि एक अपने राज्य और सरकार दोनों के अध्यक्ष है जबकि जबकि एक अपने देश में केवल सरकार का अध्यक्ष है। इंग्लैंड में राजा अध्यक्ष सम्राट होता है, जो अपने पैतृक अधिकार के द्वारा राजा बनता है प्रधान-मंत्री केवल शासन का अध्यक्ष होता है। अमेरिका का राष्ट्रपति राज्य का राजाध्यक्ष भी होता है और शासन का मुखिया भी। अतः वह ब्रिटिश प्रधानमंत्री से अधिक शक्तिशाली होता है।

2. कार्यकाल के संबंध में: — अमेरिका के राष्ट्रपति का कार्यकाल निश्चित होता है इसे महाभियोग के द्वारा ही पदच्युत किया जा सकता है, महाभियोग चलाने अपितु देशद्रोह, संविधान का उल्लंघन भ्रष्टाचार या ऐसे किन्हीं गम्भीर आरोपों के आधार पर चलाया जाता है। लेकिन प्रधानमंत्री का कार्यकाल लोकसदन के विश्वास पर निर्भर करता है लोकसदन कभी भी अविश्वास प्रस्ताव पास कर मंत्रिमंडल को पदच्युत कर सकता है। अतः कार्यकाल के संबंध में राष्ट्रपति अधिक शक्तिशाली है।

3. मंत्रिमंडल के संबंध में: — ब्रिटिश प्रधानमंत्री और अमेरिकी राष्ट्रपति दोनों का मंत्रीमंडल होता है। अमेरिका के राष्ट्रपति को अपने मंत्रिमंडल के चयन में पूर्ण स्वतंत्रता है जबकि प्रधानमंत्री को नहीं है। लोकसदन का एक बार सदस्य चुन लिए जाने के बाद भी प्रधानमंत्री का सम्पूर्ण राजनीतिक अस्तित्व लोकसदन के बहुमत पर निर्भर करता है, अतः प्रधानमंत्री को अपने दल के महत्वपूर्ण सदस्यों को मंत्रिमंडल में शामिल करने के लिए बाध्य होता है जबकि राष्ट्रपति के सम्मुख मंत्रिमंडल के सदस्य बौने की भांति होते है। अमेरिकी मन्त्रीमंडल के संबंध में लिंकन ने एक कहा था कि "अमेरिकी मंत्रिमंडल में केवल एक मत — राष्ट्रपति के मत का महत्व होता है"। अमेरिका में कार्यपालिका शक्तियाँ केवल राष्ट्रपति में निहित है, लेकिन ब्रिटेन में कार्यपालिका शक्ति कैबिनेट सहित प्रधानमंत्री को प्राप्त है। इस प्रकार राष्ट्रपति मंत्रिमंडल के संबंध में मजबूत होता है, जबकि प्रधानमंत्री की स्थिति कमजोर होता है।

4. विदेशी मामलों के संबंध में: — विदेशी मामलों के संबंध में अमेरिकी राष्ट्रपति ब्रिटिश प्रधानमंत्री से मजबूत होता है। अमेरिका में राष्ट्रपति विदेशों में राजदूतों को नियुक्त करता है और विदेशी राजदूतों के नियुक्ति पत्र लेता है जबकि इंगलैंड में यह कार्य राजा का होता है, प्रधानमंत्री का नहीं। यद्यपि दोनों अपने देश में विदेशनीति

Scanned with CamScanner

के निर्धारण में प्रमुखकर्ता होते हैं, फिर भी अमेरिका का राष्ट्रपति अधिक शक्तिशाली होता है।

5. न्यायिक शक्तियों के संबंध में :— न्यायिक शक्तियों के संबंध में अमेरिकी राष्ट्रपति ब्रिटिश प्रधानमंत्री से अधिकशक्तिशाली है। अमेरिकी राष्ट्रपति सर्वोच्च न्यायालय के जजों की नियुक्ति करता है उसे क्षमादान का भी अधिकार प्राप्त है जबकि ब्रिटिश प्रधानमंत्री को न तो जजों की नियुक्ति का अधिकार प्राप्त है और न ही उसे क्षमादान का अधिकार है।

~~6. विधायिका संबंध में~~

6. प्रशासन के संबंध में :— अमेरिका का राष्ट्रपति मुख्य प्रशासक होता है। वह प्रत्यक्ष रूप से पूरे देश में शासन चलाता है मंत्री केवल राष्ट्रपति के सलाहकार होते हैं। सभी कर्मचारी व मंत्री राष्ट्रपति के अधीन होते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति को ब्रिटिश प्रधानमंत्री के मुकाबले अधिक प्रशासनिक शक्तियाँ प्राप्त हैं।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री अधिक शक्तिशाली :— नि०लि० मामलों में ब्रिटिश प्रधानमंत्री अमेरिकन राष्ट्रपति से अधिक शक्तिशाली ~~होता~~ है।

1. विधायी मामलों में :— ब्रिटिश प्रधानमंत्री अमेरिकन राष्ट्रपति के तुलना में अधिक शक्तिशाली है। अमेरिका में शक्तियों के ~~पृथक~~ पृथक्करण सिद्धान्त के कारण कानून बनाने का अधिकार कांग्रेस को है। राष्ट्रपति केवल कांग्रेस के द्वारा पास किए गये बिलों पर अपनी स्वीकृति देता है। अतः वैधानिक क्षेत्र में उसकी शक्ति सीमित है। इंग्लैंड में संसदीय शासन होने के कारण विधानपालिका और कार्यपालिका में अटूट संबंध होता है। प्रधानमंत्री का कामन सभा में बहुमत होता है। अतः कोई भी बिल ब्रिटिश संसद में प्रधानमंत्री के स्वीकृति या सहयोग के बिना पास नहीं हो सकता है। अतः विधान के क्षेत्र में प्रधानमंत्री को अधिकशक्तियाँ प्राप्त हैं।

2. दल के संबंध में :— प्रधानमंत्री अपने दल का नेता होता है। दल में प्रधानमंत्री की स्थिति मजबूत होती है। दल में प्रधानमंत्री की पकड़ मजबूत होती मंत्रिमंडल का कोई भी सदस्य प्रधानमंत्री की आलोचना नहीं कर सकता है; प्रधानमंत्री के इच्छा अनुकूल ही कोई भी सदस्य मंत्रिमंडल में बना रह सकता है। इसके विपरीत राष्ट्रपति की दल पर उसकी पकड़ इतनी मजबूत नहीं होती है अपने व्यक्तिगत छवि के कारण चुनाव जीतता है। कई बार दल के सदस्य राष्ट्रपति की आलोचना करते हैं और राष्ट्रपति के विरुद्ध मतदान करते हैं।

Scanned with CamScanner

akshar
Date
Page
Note Book

3. वित्तीय क्षेत्र में :— ब्रिटिश प्रधानमंत्री अमेरिका राष्ट्रपति के तुलना में वित्तीय क्षेत्र में अत्यधिक शक्तिशाली होता है। वह देश का बजट तैयार करता है उसे संसद से पास करवाता है। बजट में केवल वे ही परिवर्तन किये जा सकते हैं जिसे सरकार को स्वीकार हो। अमेरिका में बजट ब्यूरो (Bureau of the Budget) राष्ट्रपति के निर्देशन में तैयार होता है लेकिन कांग्रेस को बजट में संशोधन का अधिकार प्राप्त है व्यवहार में कांग्रेस अनेक कटौतियां व परिवर्तन करती है और राष्ट्रपति को आर्थिक संकट में डाल सकती है

4. संधि और समझौतों के संबंध में :— संधि व समझौते का संबंध है ~~अमेरिका~~ अमेरिका के राष्ट्रपति पर प्रतिबंध है। संधि व समझौते का अनुमोदन सीनेट से कराना आवश्यक है। सीनेट बहुत बार राष्ट्रपति के संधि व समझौते पर अपनी स्वीकृति देने से मना कर चुकी है, जबकि इंग्लैंड का प्रधानमंत्री विदेशों में संधि और समझौता करता है और बाद में संसद से उसकी स्वीकृति ले लेता है क्यों कि उसके दल का संसद में बहुमत होता है।

"ब्रोगन और रैम्जेम्योर" की विचार धारा ब्रिटिश प्रधानमंत्री को अधिक शक्तिशाली समझने की रही है। रैम्जेम्योर ने कहा है कि "ब्रिटिश प्रधानमंत्री जब तक कोमन सभा में बहुमत रखता है तब तक वह इतनी शक्तियों से सुशोभित रहता है कि संसार में कोई भी संवैधानिक अध्यक्ष उसका मुकाबला नहीं कर सकता है, चाहे वह अमेरिका का राष्ट्रपति ही क्यों न हो"।

अमेरिकी राष्ट्रपति और ब्रिटिश प्रधानमंत्री के पद की तुलनात्मक विवेचना के आधार पर कहा जा सकता है कि जहां राष्ट्रपति प्रशासनिक क्षेत्र में अधिक शक्तिशाली है, प्रधानमंत्री की स्थिति विधायी, वित्तीय और अन्य क्षेत्रों में अधिक सुदृढ़ है। लास्की ने कहा है कि "अमेरिकी राष्ट्रपति ब्रिटिश प्रधानमंत्री से कुछ कम भी है और कुछ अधिक भी"।

उपरोक्त विवरण से स्पष्ट है कि दोनों उच्च पदाधिकारियों में कौन अधिक शक्तिशाली है। इन दोनों की शक्तियों की तुलना से यही स्पष्ट होता है कि कुछ क्षेत्रों में राष्ट्रपति शक्तिशाली है तो कुछ क्षेत्रों में प्रधानमंत्री शक्तिशाली है। Laski के यह विचार कि "प्रत्येक की शक्ति कुछ बातों में और कुछ समयों में एक दूसरे से अधिक है और यह सिर्फ परिस्थिति पर ही नहीं, बल्कि पदाधिकारियों की प्रकृति तथा शासनकाल पर निर्भर करती है।"

Scanned with CamScanner